ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा

कक्षा - आठवीं

विषय – हिंदी
पाठ : ५
पाठ का नाम :जो बीत गई सो बात गई

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

लेखक परिचय

बच्चन का जन्म 27 नवम्बर 1907 को इलाहाबाद में एक कायस्थ परिवार मे हुआ था। इनके पिता का नाम प्रताप नारायण श्रीवास्तव तथा माता का नाम सरस्वती देवी था। इनको बाल्यकाल में 'बच्चन' कहा जाता था जिसका शाब्दिक अर्थ 'बच्चा' या 'संतान' होता है। बाद में ये इसी नाम से मशहूर हुए। उन्होंने कायस्थ पाठशाला में पहले उर्दू और फिर हिंदी की शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में एम°ए° और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य के विख्यात कवि डब्लू°बी° यीट्स की कविताओं पर शोध कर PH.D(पीएच.डी.) पूरी की थी । १९२६ में १९ वर्ष की उम्र में उनका विवाह श्यामा बच्चन से हुआ जो उस समय १४ वर्ष की थीं। लेकिन १९३६ में श्यामा की टीबी के कारण मृत्यु हो गई। पाँच साल बाद १९४१ में बच्चन ने एक पंजाबन तेजी सूरी से विवाह किया जो रंगमंच तथा गायन से जुड़ी हुई थीं। इसी समय उन्होंने 'नीड़ का निर्माण फिर' जैसे कविताओं की रचना की। उनके पुत्र अमिताभ बच्चन एक प्रसिद्ध अभिनेता हैं।

हरिवंश राय बच्चन
(27 नवम्बर 1907 – 18 जनवरी 2003)

ODM EDUCATIONAL GROUP

जो बीत गई सो बात गई

जीवन में एक सितारा था,
माना वह बेहद प्यारा था,
वह डूब गया तो डूब गया।

अम्बर के आनन को देखो,
कितने इसके तारे टूटे !
कितने इसके प्यारे छूटे !
जो छूट गए फिर कहाँ मिले !
पर बोलो टूटे तारों पर,
कब अम्बर शोक मनाता है !
जो बीत गई सो बात गई।

हरिवंश राय बच्चन

शब्दार्थ –
सितारा = तारा ,बेहद = बहुत, प्यारा = प्रिय, अंबर = आकाश

ODM EDUCATIONAL GROUP

जीवन में वह था एक कुसुम,
थे उसपर नित्य निछावर तुम,
वह सूख गया तो सूख गया।
मधुवन की छाती को देखो,
सूखी कितनी इसकी कलियाँ!
मुर्झाई कितनी वल्लरियाँ!
जो मुर्झाई फिर कहाँ खिली!
पर बोलो सूखे फूलों पर,
कब मधुवन शोर मचाता है!
जो बीत गई सो बात गई।

शब्दार्थ –
कुसुम = पुष्प , निछावर = समर्पण करना , देना मधुबन = बाग ,
बगीचा वल्लरियाँ = लताएँ, मुरझाई = सूखी

ODM EDUCATIONAL GROUP

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP